Total Pages - 6 MA/2nd Sem/HIN-201

2019

M.A.

2nd Semester Examination

HINDI

PAPER – HINDI-201

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their Own words as far as practicable.

Illustrate the answers wherever necessary.

(*Turn Over*)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 4×2=8

क) अज्ञेय द्वारा संपादित दो पत्रिकाओं के नाम बताइए।

ख) 'असाध्य वीणा' किस लोककथा पर आधारित है?

ग) मुक्तिबोध द्वारा रचित दो रचनाओं के नाम बताइए।

घ) 'कवियों के कवि' किस कवि को कहा जाता है? उनके द्वारा रचित एक काव्य-संग्रह का नाम लिखिए

ङ) नागार्जुन को किस रचना पर साहित्य अकादमी का पुरस्कार मिला ? यह रचना किस भाषा में रचित है?

च) अधिनायक कविता किस संग्रह में संकलित है और यह किसकी रचना है?

छ) धूमिल द्वारा रचित दो काव्य-संग्रहों के नाम बताइए

ज) तारसप्तक का संपादन किसने किया? इसका प्रकाशन वर्ष लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के यथानिर्देश उत्तर लिखिए- 4×4=16

क) श्रेय नहीं कुछ मेरा
मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सब कुछ को सौंप दिया था...

.... इसका भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(Continued)

ख) पथ भूलकर जब चाँदनी
कि किरण टकराए
कहीं दीवार पर,
तब ब्रह्मराक्षस समझता है
वंदना की चाँदनी ने
ज्ञान-गुरु माना उसे।
.... इन पंक्तियों में निहित अर्थ स्पष्ट कीजिए

ग) जब करूँगा प्रेम
पिघल उठेंगे
युगों के भूधर
उफन उठेंगे
सात सागर
.... यह किस कविता का उद्धृतांश है? इस अवतरण का शिल्प-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

घ) पूरब-पश्चिम से आते हैं
नंगे-बूचे नरकंकाल
सिंहासन पर बैठा
उनके
तमगे कौन लगाता है
कौन कौन है वह जण-गण-मन
अधिनायक वह महाबली
डरा हुआ मन, बेमन जिसका
बाजा रोज़ बजाता है।
.... इस अंश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

ङ) जहाँ तक मेरा अपना संबंध है
सुनिए महाराज
तनिक भी पीर नहीं
दुःख नहीं, दुविधा नहीं
सरलतापूर्वक निकले थे प्राण
सह ना सकी आँच जब पेचिश का हमला
.... इन पंक्तियों की मूल-संवेदना स्पष्ट कीजिए।

च) मैने इंतज़ार किया
अब कोई बच्चा
भूखा रह कर स्कूल नहीं जाएगा
अब कोई छत बारिश में
नहीं टपकेंगी।
अब कोई आदमी कपड़ों की लाचारी में
अपना नंगा चेहरा नहीं पहनेगा
...... इसमें निहित राजनीतिक व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

छ) कलावंत हूँ नहीं, शिष्य, साधक हूँ
जीवन के अनकहे सत्य का साक्षी
वज्रकीर्ति
प्राचीन किरीटी - तरु
अभिमंत्रित वीणा
ध्यान-मात्र इनका तो गदगद कर देने वाला है
...... इसका मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

ज) खूब उँचा एक जीना सांवला
उसकी अंधेरी सीढ़ियाँ
वे एक आभ्यंतर निराले लोक की।
एक चढ़ना और लुढ़कना,
मोच पैरों में
वह छाती पर अनेकों घाव
...... इन पंक्तियों में निहित काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×8=16

क) 'असाध्य वीणा' कविता का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

ख) 'नागार्जुन प्रगतिशील चेतना के किवि है' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

ग) शमशेर बहादुर सिंह के काव्य-सौष्ठव पर विचार कीजिए।

घ) धूमिल की भाषिक-संरचना पर चर्चा कीजिए।